

भक्त नहीं वो भला है

क्या वो करेगा लेके चडावा सब कुछ त्याग के बेठा कही,
भक्त नहीं वो भला है ढूँडता गुण देखे गुणगान नहीं
में कहता नहीं श्रधा है बुरी पर कर्म तराजू धर्म वही,
भक्त नहीं वो भला है ढूँडता गुण देखे गुणगान नहीं

तू मंदिर फिर आया तू नाम मन्त्र सब जप आया,
जीवन में अब भी न सकूँ भोले का मन में वास नहीं,
क्यों मन मन्दिर तेरा खाली है क्यों खाली खुद मैं झाँक कभी,
भक्त नहीं वो भला है ढूँडता गुण देखे गुणगान नहीं

ये भोला है भंडारी है इसे पूरी दुनिया प्यारी है,
देवो का ये दानव का भी इस के मन भेद का भाव नहीं,
श्रधा नहीं देखे गा तेरी जब मन ही तेरा साथ नहीं,
भक्त नहीं वो भला है ढूँडता गुण देखे गुणगान नहीं

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16064/title/bhakat-nhi-vo-bhla-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |